No. of Printed Pages : 2

डी.सी.एच.-1

00725

सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

डी.सी.एच.-1 : सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : **20**

(क) सृजनात्मकता का अर्थ स्पष्ट करते हुए सृजनात्मक लेखन के विभिन्न क्षेत्रों का परिचय दीजिए।

(ख) रचना के निर्माण में सोद्देश्यता और रचना दृष्टि की भूमिका निर्धारित कीजिए।

(ग) रचनात्मक साहित्य में भाषा और शैली का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **2x10=20**

(क) उपन्यास और कहानी में अन्तर

(ख) साहित्य के सही रूप की खोज

(ग) रचनात्मक यथार्थ

(घ) लेखकीय व्यक्तित्व और रचना

3. अपने किसी युवावस्था के अनुभव को कहानी में रूपांतरित कीजिए जिसका आपके जीवन पर प्रभाव पड़ा हो। 20

4. अपने पसंदीदा रचनाकार की किसी एक रचना का विश्लेषण कीजिए और बताइए कि यह रचना आपको क्यों पसंद है? 20

5. निम्नलिखित कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए : 20

हा हा हा
तुमने मार डाले लोग
हा हा हा

क्योंकि वे हँसे थे
तुमने मार डाले लोग
तुमने मार डाले लोग
हा हा हा

क्योंकि वे सुस्त पड़े थे
तुमने मार डाले लोग
तुमने मार डाले लोग
हा हा हा

क्योंकि उनमें जीने की आस नहीं रही थी
तुमने मार डाले लोग
तुमने मार डाले लोग
हा हा हा
तुमने मार डाले लोग

क्योंकि वे बहुत सारे लोग थे
इसी तरह के बहुत सारे लोग